नईदुनिया

# अमेरिका में बन रहा न्यूक्लियर फ्यूजन संयंत्र, हाइड्रोजन आधारित ऊर्जा से पैदा होगी बिजली

**वाशिंगटन**

सौर और परमाणु ऊर्जा के बाद अब नई तकनीक से बिजली उत्पादन की दिशा में दुनिया एक कदम आगे बढ़ रही है। अमेरिका ने पहला ग्रिड-स्केल न्यूक्लियर फ्यूजन बिजली संयंत्र स्थापित करने की योजना बनाई है, जो हाइड्रोजन आधारित ऊर्जा से बिजली पैदा करेगा। अगर यह योजना सफल रही, तो भविष्य में बिजली की कमी का संकट खत्म हो सकता है। इस संयंत्र का खास पहलू यह है कि

**इस संयंत्र से करीब 400 मेगावाट बिजली उत्पादन होने की संभावना**

यह हाइड्रोजन आधारित क्लीन एनर्जी पर आधारित होगा, जो सूरज की ऊर्जा पैदा करने की तकनीक से प्रेरित है।

इस संयंत्र के निर्माण का लक्ष्य है कि 2030 तक इसे कार्यशील किया जा सके। इस संयंत्र से करीब 400 मेगावाट बिजली का उत्पादन होने की संभावना है, जो करीब 1.5 लाख घरों को बिजली उपलब्ध कराएगा। इस प्रोजेक्ट पर काम करने वाली स्टार्टअप कंपनी, कॉमनवेल्थ फ्यूजन सिस्टम्स (सीएफएस) इस प्रक्रिया के लिए अरबों डॉलर का निवेश कर रही है। न्यूक्लियर फ्यूजन वह प्रक्रिया है जिसमें परमाणु एक-दूसरे से जुड़कर ऊर्जा पैदा करते हैं, ठीक वैसे ही जैसे सूरज में होता है। इस प्रक्रिया में हाइड्रोजन अणु एक साथ मिलकर ऊर्जा का विस्फोटक स्रोत पैदा करते हैं, जिससे ऊर्जा का निरंतर प्रवाह होता है। यह एक क्लीन एनर्जी है क्योंकि इसमें कोई हानिकारक कार्बन उत्सर्जन नहीं होता। अब तक यह तकनीक व्यावहारिक रूप से लागू नहीं हो पाई है, लेकिन यदि यह सफल होती है, तो यह एक बड़ी उपलब्धि होगी। न्यूक्लियर फ्यूजन एनर्जी से उत्पादन होने वाली बिजली को हर मौसम में, निरंतर और बिना किसी प्रदूषण के पैदा किया जा सकेगा।

## न्यूज ब्रीफ

### बांग्लादेश में तबलीगी जमात प्रवक्ता मुआज बिन नूर गिरफ्तार

**ढाका।** बांग्लादेश की राजधानी ढाका के टोंगी बिस्वा इज्तेमा मैदान पर कब्जे को लेकर तबलीगी जमात के दो गुटों के बीच बुधवार को हुए खूनखराबा पर अंतरिम सरकार ने कठोर कदम उठाया है। इस संबंध में मौलाना साद गुट के तबलीगी जमात के प्रवक्ता मुआज बिन नूर (40) को आज तड़के गिरफ्तार कर लिया गया। इस खूनखराबा में तीन श्रद्धालुओं की जान गई है।नूर का घर ढाका के उत्तरा में है। तबलीगी जमात के दूसरे गुट के नेता मौलाना जुबेर हैं। जुबेर गुट ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कराया है। इस केस में गिरफ्तार नूर पांचवां आरोपित है। इस केस में 29 लोग नामजद हैं। टोंगी वेस्ट पुलिस स्टेशन के प्रभारी इस्कंदर हबीबुर रहमान ने कहा, नूर को तड़के उत्तरा में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

### श्रीलंका की नौसेना ने 25 बच्चों समेत 102 रोहिंग्याओं को बचाया

**कोलंबो।** श्रीलंका की नौसेना ने उत्तर-पूर्वी तट के निकट समुद्र क्षेत्र में संकट में फंसे म्यामांर के 25 बच्चों समेत 102 रोहिंग्याओं को बचा लिया। स्थानीय मछुआरों ने इनको सबसे पहले मुल्लईतिवु जिले के वेल्ला मुल्लीवैक्कल क्षेत्र में देखा। मछुआरों ने नौसेना को इसकी सूचना दी। नौसेना के प्रवक्ता कैप्टन गयान विक्रमसूर्या ने कहा कि म्यांमार से 102 संदिग्ध अवैध प्रवासियों को ले जा रही नाव रास्ता भटक कर उत्तर-पूर्व में मुल्लईतिवु जिले में मुल्लैवैक्कल तट से दूर समुद्र की ओर बह गई थी। मछुआरों ने इनको 19 दिसंबर को देखा था। सूचना मिलते ही नौसेना के जवान उनके पास पहुंचे और सब को सुरक्षित बचा लिया। नाव में कुल 102 लोग सवार थे। इनमें 25 बच्चे और 40 महिलाएं शामिल हैं। इनमें एक महिला गर्भवती है। नौसेना के प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें त्रिंकोमाली लाया गया है। नौसेना ने दिसंबर 2022 में भी श्रीलंकाई जल क्षेत्र में 100 से अधिक रोहिंग्याओं को बचाया था। कैप्टन विक्रमसूर्या ने बताया कि सभी 102 लोगों को ताजा पानी, भोजन और दवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। विदेश और रक्षा मंत्रालय को इसकी सूचना भेज दी गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निलुका कादुर्गामुवा ने कहा कि सभी 102 लोगों की स्थिति का आकलन किया जा रहा है।

### दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल को देशद्रोह के आरोप में पूछताछ के लिए फिर बुलाया गया

**सियोल।** दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल को एक बार फिर मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा से संबद्ध देशद्रोह के आरोप में पूछताछ के लिए संयुक्त जांच दल के सामने पेश होने के लिए बुलाया गया है। इससे पहले उन्हें 16 दिसंबर को समन जारी कर 18 दिसंबर को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। मगर वह नहीं गए थे। संयुक्त जांच दल के आज के समन में राष्ट्रपति को भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ) में 25 दिसंबर को सुबह 10 बजे तलब किया गया है। संयुक्त जांच दल में सभी एजेंसियों के उच्च अधिकारी शामिल हैं। सीआईओ ग्योंगगी प्रांत के ग्वाचेन में है। राष्ट्रपति से राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी और राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों के संबंध में पूछताछ की जानी है। समन में सभी आरोप निर्दिष्ट किए गए हैं। इनमें देशद्रोह के कृत्यों को अंजाम देना, सत्ता का दुरुपयोग और अधिकारियों के कर्तव्यों के प्रयोग में बाधा पहुंचाना शामिल है। सीआईओ ने ई-मेल और आधिकारिक इलेक्ट्रॉनिक संचार के माध्यम से तीन स्थानों (राष्ट्रपति निवास, राष्ट्रपति सचिवालय, और सामान्य मामलों के लिए राष्ट्रपति सचिव का कार्यालय) पर समन पहुंचाया है।

# वाशिंगटन और दमिश्क के संबंधों में बदलाव का संकेत, अमेरिकी राजनयिक का सीरिया दौरा जल्द

**दमिश्क**

सीरिया में गृहयुद्ध थमने के बाद पहली बार वाशिंगटन और दमिश्क के संबंधों में बदलाव का संकेत मिला है। संयुक्त राज्य अमेरिका के एक वरिष्ठ राजनयिक के जल्द ही सीरिया पहुंचने की उम्मीद है। उनकी सीरिया के अधिकारियों से मिलने का कार्यक्रम है।

खबर के अनुसार, अमेरिकी विदेश विभाग ने आज घोषणा की कि 13 साल के गृह युद्ध के बाद मध्य पूर्वी मामलों की सहायक सचिव बारबरा लीफ प्रतिनिधिमंडल के साथ जल्द ही सीरिया का दौरा करेंगी। प्रतिनिधिमंडल की आतंकवादी संगठन के रूप में वर्गीकृत हयात तहरीर अल-शाम के प्रतिनिधियों और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों से मुलाकात होगी। सीरिया पर नियंत्रण करने वाले हयात तहरीर अल-शाम के नेता सीरिया के भविष्य के लिए अपने दृष्टिकोण से अमेरिकी राजनयिक को अवगत कराएंगे।

### कमांडर की दुनिया से आर्थिक प्रतिबंध हटाने की गुहार

खबर के अनुसार, सीरिया में सैन्य अभियानों के कमांडर अहमद अल-शरा उर्फ अबू मोहम्मद अल-जुलानी ने कहा कि सीरिया युद्ध से थक चुका है। वह अपने पड़ोसियों या पश्चिम के लिए कोई खतरा पैदा नहीं करेगा। उन्होंने दुनिया से गुहार लगाई है कि सीरिया पर लगाए गए प्रतिबंधों को हटा ले। आर्थिक विश्लेषकों के अनुसार, अगर आर्थिक प्रतिबंध नहीं हटाए जाते तो सीरिया का पुनर्निर्माण असंभव है। बशर अल-असद के शासन के पतन के बाद सीरिया के सामने यही सबसे बड़ी चुनौती है। फ्रांस में रहने वाले आर्थिक विश्लेषक यूसुफ लाहलाली का कहना है कि आर्थिक प्रतिबंधों का जारी रहना सीरियाई अर्थव्यवस्था को शुरू करने और पुनर्निर्माण कार्यों को शुरू करने में एक बड़ी बाधा है।

## यूक्रेनी ड्रोनों का पता लगाने उत्तर कोरिया सेना ने बनाई निगरानी चौकियां

**सोल।** यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई के लिए रूस भेजे गए उत्तर कोरियाई सैनिकों ने यूक्रेनी ड्रोनों का पता लगाने निगरानी चौकियां स्थापित की हैं। मीडिया रिपोर्ट में यूक्रेन की सैन्य खुफिया सेवा ने जानकारी दी कि उत्तर कोरियाई सेना को युद्ध में भारी नुकसान हुआ है। यूक्रेन की रक्षा खुफिया एजेंसी (डीआईयू) के बयान में कहा गया है, गंभीर नुकसान झेलने के बाद, उत्तर कोरिया की इकाइयों ने यूक्रेन के सुरक्षा और रक्षा बलों के ड्रोन का पता लगाने के लिए अतिरिक्त निगरानी चौकियां स्थापित की हैं। पश्चिमी सीमावर्ती क्षेत्र कुर्स्क में रूस अब भी उत्तर कोरियाई सैनिकों का इस्तेमाल कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कुर्स्क क्षेत्र में उत्तर कोरियाई सेना के कर्मियों द्वारा लगातार हमला करने वाले समूहों का जमा होना यह दर्शाता है कि मास्को आक्रामक कार्रवाइयों की गति को खोना नहीं चाहता है। उत्तर कोरियाई सैनिक मोर्चे पर अपनी पहचान के लिए लालफीताशाही का इस्तेमाल करते हैं। रूस भेजे गए कम से कम 100 उत्तर कोरियाई सैनिक मारे गए हैं। वहीं, करीब एक हजार के घायल होने का अनुमान है। राष्ट्रीय खुफिया सेवा ने मरने वालों में ज्यादातर के लिए इस तथ्य को जिम्मेदार ठहराया कि उत्तर कोरियाई सैनिकों का ड्रोन के साथ उनके अनुभव की कमी के कारण अपरिचित युद्धक्षेत्रों में अग्रिम पंक्ति के हमलावर बलों के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इसमें यह भी कहा गया है कि रूस की सेना ने शिकायत की है कि ड्रोन के बारे में उनकी अज्ञानता के कारण उत्तर कोरियाई सैनिक बोझ हैं।

### इराकी दूतावास के कर्मचारी लेबनान से दमिश्क लौटे

इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने गुरुवार शाम घोषणा की इराकी दूतावास के कर्मचारी लेबनान से दमिश्क लौट गए हैं।

दूतावास ने काम करना शुरू कर दिया है। सुदानी ने कहा कि बशर अल-असद के शासन के पतन के बाद दूतावास के कर्मचारी सड़क मार्ग से लेबनान चले गए थे।

## यूक्रेन मुद्दे पर डोनाल्ड ट्रम्प से किसी भी समय बातचीत को तैयार पुतिन

**मॉस्को**

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि यूक्रेन युद्ध पर वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत करने को तैयार हैं। पुतिन ने कहा कि चूंकि युद्ध खत्म करने के लिए रूस और यूक्रेन दोनों को समझौता करना होगा। इसके लिए कोई शर्त नहीं है। दरअसल, एक बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कार्यालय में आने के कुछ ही घंटों के भीतर वो यूक्रेन शांति समझौता कराने की बात कही थी। इसी को लेकर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने साल की आखिरी प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि वो अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ किसी भी समय बातचीत के लिए तैयार हैं। पुतिन ने आगे कहा कि रूस इस समय 2022 से ज्यादा मजबूत स्थिति में है। यूक्रेन में रूसी सेना आगे बढ़ रही है, बावजूद इसके वह वार्ता और समझौते के लिए तैयार हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुतिन ने यह भी स्वीकार किया कि यूक्रेन में लड़ाई जटिल है लेकिन रूसी सेना यूक्रेनी सशस्त्र बलों को कुर्स्क क्षेत्र से जरूर बाहर निकाल देगी। उन्होंने कहा कि हमारे लोग लड़ रहे हैं। अभी लड़ाई चल रही है और गंभीर लड़ाई चल रही है। निश्चित रूप से हमारी सेना उन्हें बाहर निकाल देगी, इसके अलावा कोई रास्ता नहीं है।

### नेपाल सुप्रीम कोर्ट का सरकारी रिकार्ड से जनयुद्ध शब्द हटाने का आदेश

**काठमांडू।** नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने जनयुद्ध शब्द को असंवैधानिक करार देते हुए सरकारी अभिलेखों और दस्तावेजों से इसे हटाने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने यह अहम फैसला गुरुवार को सुनाया। नेपाल में माओवादी अपने 10 वर्ष के सशस्त्र द्वंद्व काल को जनयुद्ध कहते हैं। इन्होंने सत्ता में रहते हुए बजट सहित अन्य सरकारी कामकाज में इस शब्द का इस्तेमाल है। सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश प्रकाशमान सिंह राउत की अध्यक्षता वाली सात जजों की संवैधानिक बेंच ने फैसले में जनयुद्ध शब्द को असंवैधानिक करार दिया। साथ ही अब तक जितने भी सरकारी अभिलेख और दस्तावेजों में इस शब्द का इस्तेमाल किया गया है उसे रिकॉर्ड से हटाने का आदेश दिया। संवैधानिक बेंच ने फैसले में कहा कि नेपाल का संविधान जनयुद्ध शब्द को अंगीकार नहीं करता है। इसलिए सरकारी बजट भाषण या अन्य दस्तावेज में इस शब्द के इस्तेमाल को मान्यता नहीं दी सकती है।

## पत्रकार वार्ता

मास्को में रुस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन साल के अंत में एक पत्रकार वार्ता में भाग लेते हुए।

# बांग्लादेश और पाकिस्तान ने भारत की टेंशन बढ़ाने वाले किए फैसले

**काहिरा**

मुस्लिम देशों के संगठन डी-8 की गुरुवार को मिस्र के काहिरा में मीटिंग थी। इस बैठक में तुर्की, ईरान, नाइजीरिया, मलयेशिया और इंडोनेशिया जैसे कई देशों के नेता पहुंचे थे, लेकिन पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस की मीटिंग देखने लायक थी।

शकों तक भारत के करीबी रहे बांग्लादेश का रुख अब कैसे पाकिस्तान की ओर मुड़ रहा है, यह इस मीटिंग में देखा गया। डी-8 की मीटिंग के इतर भी दोनों नेताओं ने मुलाकात की। यही नहीं पाकिस्तान ने डी-8 की मीटिंग में यह भी बताया कि कैसे बांग्लादेश ने उसके साथ

रिश्तों को बेहतर करने की पहल की है।

शहबाज शरीफ ने बताया कि अब पाकिस्तान से बांग्लादेश पहुंचने वाले किसी भी माल की फिजिकल चेंकिंग नहीं की जाती है। इसके अलावा बांग्लादेश पहुंचने वाले पाकिस्तान के नागरिकों के लिए भी प्रक्रिया को आसान किया गया है। ढाका एयरपोर्ट पर पहले पाकिस्तानी नागरिकों की जांच के लिए अलग से सिक्योरिटी डेस्क थी, जिसे अब हटा लिया गया है। इसके अलावा वीजा की प्रक्रिया भी आसान हो गई है। यही नहीं इस दौरान शहबाज शरीफ और मोहम्मद यूनुस ने सांस्कृतिक संबंध बढ़ाने, खेल, अकादमिक और छात्रों के बीच आवाजाही को भी बढ़ावा देने पर सहमति जताई।

इस दौरान शहबाज शरीफ ने बांग्लादेशी क्रिकेट टीम के पाकिस्तान में आकर खेलने का भी जिक्र किया। इसके अलावा एक पाकिस्तानी म्यूजिक बैंड का ढाका में कंसर्ट आयोजित करने का भी उदाहरण दिया।

इस तरह मीटिंग में देखा गया कि कैसे बांग्लादेश और पाकिस्तान की करीबी बढ़ गई है। यह करीबी भारत के लिए चिंता की बात हो सकती है। इसकी वजह यह भी है कि बांग्लादेश के साथ भारत के दोस्ताना संबंध रहे हैं, जो अब पहले जैसे नहीं रहे हैं।

# लेखिका तस्लीमा भी हैरान, क्या बांग्लादेश दूसरा सीरिया बनने जा रहा है

### एक कल्चर प्रोग्राम में छात्रों ने नकली हथियार लेकर पहनी आतंकी वाली ड्रेस

**ढाका**

बांग्लादेश के जेसोर के जामिया इस्लामिया मदरसा में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया इसमें छात्रों को अपने हिसाब से कपड़े पहनने का निर्देश दिया, लेकिन कई छात्र आतंकवादी संगठन आईएसआईएस के आतंकियों जैसे कपड़े पहनकर वहां पहुंच गए उनके हाथों में बंदूकें थीं। इसको लेकर बांग्लादेश की लेखिका तस्लीमा नसरीन ने एक और पोस्ट शेयर की, जिसमें छोटे-छोटे बच्चे बंदूकों का प्रदर्शन कर रहे हैं।

नसरीन ने कहा कि यही बच्चे आगे चलकर

असली हथियार उठाएंगे। सोशल मीडिया में यह तस्वीर वायरल हो गई। लोग पूछने लगे कि क्या बांग्लादेश दूसरा सीरिया बनने जा रहा है बांग्लादेश को प्यार करने वाली कई हस्तियों ने इसे सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। दावा किया जा रहा है कि बांग्लादेश के जेसोर जिले में जिहाद का आह्वान किया गया। एक यूजर ने एक्स पर शेयर करते हुए लिखा- बांग्लादेश का जेसोर जामिया इस्लामिया मदरसा जहां इस्लामिक आतंकवादी खुलेआम मशीन गन से धमकी दे रहे हैं।

इस वीडियो को मशहूर बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- जेसोर के मदरसे के छात्र वार्षिक समारोह में एक नाटक पेश कर रहे हैं। इसमें वे इस्लामी आतंकवादियों की तरह पहने कपड़ों में जिहाद के समर्थन में कुरआन की आयतें पढ़ रहे हैं। वे बंदूकें लहरा रहे हैं। अभी तो यह खिलौना बंदूकें हैं, लेकिन कौन जानता है कि बाद में ये बंदूकें असली होंगी।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने भी इस वीडियो की आलोचना की है। इतना ही नहीं लेखिका तस्लीमा ने एक और वीडियो पोस्ट किया, जिसमें नन्हे-मुन्ने बच्चे हाथों में बंदूक थामे कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने लिखा, ये बांग्लादेश के मदरसे हैं, जहां ऐसी तालीम दी जा रही है। आतंकियों की तरह पोशाक पहने शख्स उंगली उठाकर बैठा है, जबकि उसकी आतंकी सेना बंदूकों, तलवारों और हथगोले से लैस खड़ी है। जब ये बच्चे बड़े होंगे, तो इस्लामी कानून की अवहेलना करने वालों को मारने के लिए असली बंदूकें, तलवारें और हथगोले उठाएंगे। उनका लक्ष्य दुनिया को इस्लामी तरीके पर चलाना होगा।

वीडियो जब वायरल हुआ तो मदरसा के प्रमुख मुफ्ती लुत्फुर रहमान फारूकी ने सफाई दी। उन्होंने कहा कि यह एक नाटक था। इसका नाम 'गो ऐज यू लाइक' रखा गया था। मंच से अरबी में जो भाषण दिए गए, उसमें उग्रवाद की कोई बात नहीं थी। छात्रों के हाथों में दिख रहा हथियार असली नहीं है, बल्कि यह खिलौना था। जेस्सोर पुलिस के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने वीडियो और आतंकवाद के बीच किसी भी संबंध से इनकार किया है।